



सहारा के संकट के दिनों में शविराज सरकार के कवज्जापन ने उसके नविशकों के सावधान कर दिया है. कहते हैं कि संकट आ तो अपने भी मुंह फेर लेते हैं. ऐसा ही हाल सहारा ग्रुप का है. मध्य प्रदेश में सहारा को राज्य सरकार हर महीने करीब पचास लाख का वज्जापन देती है. और इतना ही वज्जापन छत्तीसगढ़ से भी मल्लि जाता है.

स्ट्रगिर्स भी तीस-चालीस लाख का वज्जापन अलग से कर देते हैं. कुल मल्लि कर चाँदी ही चाँदी रहती है सहारा की. लेकिन हाल ही में जबसे सहारा ग्रुप संकट में आया है, सहारा पैरा बैंकिंग के डिपॉजिटर्स भागने लगे हैं. इसका कारण तो कुछ "शुभचतिकाँ" का यह स म स था कि शायद सुब्रत रॉय भी 2जी-3जी मामले में जेल जा सकते हैं, ऐसे में सहारा से अपना पैसा नकल्ल लेना उचित है. बची खुची कर प्रदेश की शविराज सरकार ने नईदुनिया, दैनिक भास्कर और पत्रिका सहित सभी प्रमुख अखबारों में कवज्जापन छपवाकर पूरी कर दी जिसमें यह बताया गया है कि किसी भी "आयाराम गयाराम फाइनेंस कंपनी में अपना पैसा न लगाओ क्योंकि यह सुरक्षित नहीं".

काका, ज्यादा लालच के चक्कर में मत आना.. अपना पैसा सोच समझ कर ही लगाना

आओ..आओ.. दोगुना..तिगुना पाओं...

आयाराम गयाराम फायनेंस कंपनी

अधिक ब्याज दर
पाईर फ्रिज
टैवी
जमीन
प्लॉट

ध्यान दें जो कंपनी जमा पर अत्यधिक लाभ/आय का वादा करती है वह फर्जी भी हो सकती है। कंपनी अपनी आय में से ही आपको लाभ दे सकती है। योजना में अधिक लाभ के झांसे में आकर निवेश करने से आपके साथ धोखा भी हो सकता है। म.प्र. निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत जिला कलेक्टर सक्षम प्राधिकारी घोषित हैं। शिकायत हेतु जिला कलेक्टर से सम्पर्क करें।

सावधान! अपनी मेहनत की कमाई को ठगी से बचार्नें।

संयुक्त जिला संयोजकालय, जयप्रदेशा इन्सुरन्स इन्डिया लिमिटेड में जारी

08/05/2011

उत्तर प्रदेश में एक नए प्रकार का धोखाधड़ी का प्रचलन है। इसमें धोखे में आकर लोगों को बहुत पैसा खोना पड़ रहा है। इससे बचने के लिए लोगों को सावधान रहना चाहिए।